%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 702

NO. 376

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1111; A. R. No. 347-D of 1899 )

Ś. 1299

(१।) स्वस्ति श्री [।।] श{आ}कवरुषंवुलु १२९९ गुनेंटि फाल्गुन विमल प[क्ष] तृतीया

(२।) आदिवारमुनांडु<2> कलिगमालि कुर्माइ [साह]समल्ल नि

(३।) [को]डुगु(कु) नादाजीयन तनकु इषत(ष्ट)सिदि(द्ध)गा श्रीनरसिह-

नात(थु)नि सनि(न्नि)धिनि नित्य-

(४।) मुन्नु ओक अखंडदीपमु वेलुगुटकु खिलारि रवि महासेनापति-

(५।) वशमुनं वेट्टिन मोदा[लु ५०] ईतनि कूडुजीतानकु श्रीभड रम[ं]दु

(६।) {ं} पद्मनिधि गंडमाडलु १५ पेट्टि ज तऋनाटि(टि) चिताडखं [ट्टि]क पु-

(७।) [टे] डु क्षेत्रमु गोनि पेटेनु । ई रवि महासेवापति नेलपडि स(ने) [इ] कु

(८।) तेच्चि प्रवेशमु चेयंगलांड । मर्रिन्नि तनकुन्नु शिरियादविकिन्नि पुण्य-

(९।) मुगा गंडमाडलु ८ विसुमलनि मांनकं वेट्टि नित्यमुन्नु रेंडु

(१०।) तिरुमाललु चातुटटि मेगापु चिगुनायुनिचे वि[लि]चिन तोंट-

(११।) गाटु १ दिव्यकि[च्च]नु ई दीपप्रतिमा १ भ मे रेंडु गु चालु

(१२।) प्रसादमु ठावुगां वेटि तिरुमा[ल]लु पेट्टंगलांड

(१३।) इंतवटुन्नु आचंद्रक्क(क्कं)स्थाइगां वेट्टेनु ई धर्म्म श्रीवैष्णव

रक्ष श्री श्री श्री [।।]

<1. In the forty-seventh niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 31st January, 1377 A. D., Sunday. The 3rd tithi started at about 2 P. M. >